projects and the time-frame of their completion are given below:—

Project	Anticipated capital cost (Rs. in lakhs)	Expenditure incurred till July '91 (Rs. in lakhs)	Time-frame of completion
HPT, Barmer . .	928.75	331.56	1994-95
HPT, Bundi . . .	442.00	156·54	1992-93
HPT, Jaisalmer . .	648.25	428·38	1993-94

1991 की जनगणना के आधार पर राज्यों को आवश्यक वस्तुओं के कोटे का पुनः निर्धारण

554. **श्री राघवजी :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार 1991 की जनगणना के आधार पर राज्यों को चीनी, डीजल, मिट्टी के तेल, गेहूं और तेल आदि के कोटे को पुनः निर्धारित करने जा रही है ;

(ख) यदि हां तो ऐसा पुनः निर्धारण कब तक किया जाएगा ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

नागरिक आपूर्ति और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कमालुद्दीन अहमद) : (क) से (ग) केन्द्रीय पूल से खाद्यान्न का आवंटन राज्यों से प्राप्त मांग, केन्द्रीय सरकार के पास उपलब्ध स्टाक, उन वस्तुओं की बाजार में उपलब्ध मात्रा तथा विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की परस्पर आवश्यकताओं जैसी बातों को ध्यान में रखते हुए मासिक आधार पर किया जाता है।

लेवी चीनी का आवंटन, 1-10-86 की अनुमानित आबादी के लिए प्रति महीना 425 ग्राम मात्रा उपलब्ध कराने के समान प्रतिमान के आधार पर किया जाता है । तथापि, जुलाई, 1991 में केन्द्रीय सरकार ने अगस्त, 1991 से दिसम्बर, 1991 तक लेवी चीनी के आवंटन में 5 प्रतिशत तदर्थ वृद्धि करने का निर्णय किया है । इसके बाद स्थिति की पुनरीक्षा की जाएगी ।

आयात में कमी के कारण इस समय आयातित खाद्य तेल का कोई नियमित आवंटन नहीं किया जा रहा है ।

मिट्टी के तेल का आवंटन गत वर्ष की तदनुरूपी अवधि में किए गए आवंटन में उपयुक्त दर से वृद्धि करके किया जाता है । इसके आवंटन में वृद्धि मिट्टी के तेल के आयात के लिए विदेशी मुद्रा की उपलब्धता पर निर्भर करती है ।

केन्द्रीय पूल से किए जाने वाले सभी आवंटन अनुपूरक स्वरूप के होते हैं और इनका प्रयोजन राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की समूची आवश्यकताओं को पूरा करना नहीं होता है ।

महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों में नलकूप

555. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों में नलकूप बंधन के संबंध में क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए थे,

(ख) वे लक्ष्य किस हद तक प्राप्त कर लिये गए हैं ; और

(ग) इस समय महाराष्ट्र में कितने नलकूप लगा दिये गये हैं और इनसे कितना क्षेत्र लाभान्वित हुआ है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री उत्तमभाई एच० पटेल) : (क) से (ग) लघु सिंचाई योजनाओं की आयोजना बनाने, उन्हें वित्त पोषित